शक्तिसिंहजी गोहिल का कार्यालय,
राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं बिहार प्रभारी,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
http://www.shaktisinhgohil.com

Press Note **30th November, 2018**

- २८ भारतीय मछुआरों को गुजरात के दरियासे पाकिस्तान मरीन सिक्यूरिटी एजन्सी ने अगवा कर लिए हैं। जिसमे ८ मछुआरे आंध्र प्रदेश के हैं। पाकिस्तान की जेल में ३०० से ज्यादा मछुआरे आज भी कैद हैं।
- किसी राजनीति के लिए नहीं परंतु राष्ट्रीय सुरक्षा में गंभीर अनियमितताओं की वजह से राष्ट्र के हित में यह स्पष्टता करनी पडी है ।
- राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत गंभीर स्थिति के बारे में गुजरात के मुख्यमंत्री का ध्यान खींचने के बावजूद कोई प्रत्युत्तर नहीं मिलने पर राष्ट्रीय हित में पत्रकार परिषद आयोजित करनी पडी ।
- पाकिस्तान से नजदीक गुजरात के दरियाई तट पर सुरक्षा की लापरवाही ।
- केन्द्र सरकारने अत्याधुनिक ३० बोट्स नाईट विझन कैमरे के साथ गुजरात को दी, फिर भी गुजरात के दरियाई तट पर नाईट पेट्रोलिंग नहीं हो रहा ।
- दरियाई तट पर बनाये जानेवाले कोस्टल पोलीस स्टेशन अमदावाद और बनासकांठा में बनाये गये ।
- गुजरात में २१ कोस्टल चेक पोस्ट में से एक भी कार्यरत नहीं ।
- पाकिस्तान से नजदीक कच्छ के २३८ कि.मी. के दरियाई तट पर एकमात्र पोलीस स्टेशन ।
- हर्षद माता मंदिर से द्वारका तक के दरियाई तट के कोस्टल पोलीस स्टेशन की जगह बदल कर गुजरात सरकारने आतंकवादीओं के लिए खुला छोडा ।
- केन्द्र सरकारने पेट्रोलिंग बोट को वार्षिक १८०० घंटे दरियाई पेट्रोलिंग की सूचना दी होने के बावजूद गुजरात में ७८% से ९१% कम पेट्रोलिंग ।
- दरियाई पेट्रोलिंग की बोट्स महिनों से जमीन पर ।
- देश की सुरक्षा के लिए ओलवेधर जेट्टी गुजरात के दरियाई तट पर बनानी थी, लेकिन गुजरात सरकारने एक भी नहीं बनाई ।
- ए.टी.एस. में खाली जगह भरने के २००९ के केग के रिपोर्ट में निर्देश होने के बावजूद गुजरात में आज भी ८% से १००% जितनी जगह ऐन्टी टेररीस्ट स्कवोड में खाली ।
- मरीन एक्स्लुझीव ईन्टेलिजन्स एण्ड ईन्वेस्टीगेशन वींग गुजरात में स्थापित करनी थी, लेकिन गुजरात में स्थापित न हुई ।

- **मुंबई हमले में भी आतंकवादी गुजरात के पोरबंदर की बोट ले गये थे ।**
- **प्रधानमंत्री देश को बतायें कि केग की टिप्पणी होने पर भी सुरक्षा की अनदेखी क्युँ कि गई ?**
- **आतंकवाद के खिलाफ कडी सुरक्षा व्यवस्था क्यो नहीं ?**

काँग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिलने बताया है कि, राष्ट्र की सुरक्षा को काँग्रेस पक्षने हमेशा राजनीति से परे रखा है । २८ भारतीय मछुआरों को गुजरात के दरियासे पाकिस्तान मरीन सिक्यूरिटी एजन्सी ने अगवा कर लिए हैं। जिसमे ८ मछुआरे आंध्र प्रदेश के हैं। पाकिस्तान की जेल में ३०० से ज्यादा मछुआरे आज भी कैद हैं।

पाकिस्तान की सरहद से नजदीकवाला राज्य गुजरात राज्य है । गुजरात का १,६४० कि.मी. लंबा दरियाई तट गुजरात के १३ जिलों को छूता है । सबसे लंबे दरियाई तटवाले गुजरात राज्य के नजदीक पाकिस्तान की सरहद है । इस कारणवश राष्ट्र की सुरक्षा के लिए और आतंकवादी एवं गुन्हाहित प्रवृत्तियाँ रोकने के लिए गहन दरियाई सुरक्षा गुजरात के दरियाई तट पर अत्यंत आवश्यक है । ० से १२ नोटीकल माईल तक के दरियाई तट की सुरक्षा की जिम्मेवारी राज्य के पुलीस दल की होती है । वर्ष २००८ में हुए मुंबई हमले में शामिल आतंकवादी गुजरात राज्य के पोरबंदर की कुबेर बोट लेकर आये थे । दरियाई तट की सुरक्षा के लिए भारत सरकारने अत्यंत गंभीरतापूर्ण रूप से कोस्टल सिक्योरिटी स्कीम (दरियाई सुरक्षा योजना, CSS) २००५ में बनाकर भारत सरकार के गृह मंत्रालयने गुजरात राज्य को करोडों रूपये की सहायता दी है । परंतु गुजरात सरकारने दरियाई सुरक्षा की अनदेखी कर दरियाई सुरक्षा योजना के कामों को पूर्ण करने के बजाय जवाबदारी से दूर रह पूर्ण रूप से दरियाई तट खुला छोड दिया है ।

कोंग्रेस पक्ष के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिलने देश की सुरक्षा की अत्यंत गंभीर बातों के तहत चिंता व्यक्त कर गुजरात के दरियाई तट की सुरक्षा की लापरवाही गुजरात सरकार द्वारा की जा रही है उसके पुख्ता सबुत दिये । भारत सरकारने जनवरी, २००६ में गुजरात सरकार को १० कोस्टल पोलीस स्टेशन, २५ कोस्टल चेक पोस्ट, ४६ कोस्टल आउट पोस्ट बनाने के लिए और फर्निचर एवं अन्य जरूरी साधन-सामग्री के लिए बहुत बडी राशि दी थी । इसके अलावा ३० अत्याधुनिक बोट्स भारत सरकारने गुजरात सरकार को दी थी । परंतु गुजरात सरकारने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए दरियाई सुरक्षा की योजना की अमलवारी करनी थी, उसमें संपूर्ण उदासीनता दिखाई । दरियाई तट की सुरक्षा के लिए जिन बोटों को रात्रि पेट्रोलिंग करना था, वह नाईट विझन कैमरे से सुसज्ज बोट्स गुजरात को दी होने के बावजूद गुजरात सरकारने रात्रि पेट्रोलिंग के लिए उन बोट्स का उपयोग नहीं किया ।

जामनगर और कच्छ जिले की सरहद पाकिस्तान से सबसे नजदीक है । यह दरियाई इलाका दरियाई सुरक्षा के लिए अत्यंत संवेदनशील है । इस अत्यंत संवेदनशील दरियाई तट के २३८ कि.मी. की कच्छ की सरहद पर एकमात्र पोलीस स्टेशन बनाया गया है । दरियाई सुरक्षा के प्लान अंतर्गत जितने बनाने चाहिए थे उतने पोलीस स्टेशन बगैर कारण नहीं बनाये गये है । हजीरा एवं पीपावाव से डायवर्ट

की हुई बोट द्वारा अत्यंत संवेदनशील दरियाई तट कवर नहीं हो पाता । उसी तरह जामनगर जिले के अत्यंत संवेदनशील दरियाई तट पर दो कोस्टल पोलीस स्टेशन की जगह गुजरात सरकारने पुख्ता कारण दिये बिना बदल दी है । भाटिया का कोस्टल पोलीस स्टेशन वाडीनार और हर्षद माता मंदिर के पास का कोस्टल पोलीस स्टेशन ओखा में बदली कर दिया गया है । उसके कारण द्वारिकाधीश मंदिर से लेकर हर्षद माता मंदिर तक का दरियाई तट किसी भी सुरक्षा एवं पेट्रोलिंग बगैर का हो गया है । इन पोलीस स्टेशनों के स्थल बदलने के लिए मूल प्लान में बताये गये पोईन्ट्स को गुजरात सरकारने बदल कर राष्ट्र की सुरक्षा के साथ गंभीर रूप से समझौता किया है ।

कोस्टल सिक्योरीटी प्लान के अंतर्गत गुजरात के अत्यंत संवेदनशील दरियाई तट की सुरक्षा को ध्यान में रखकर केन्द्र सरकारने मरीन ऐक्स्लुझीव ईन्टेलिजन्स एण्ड ईन्वेस्टीगेशन वींग की स्थापना हेतु पर्याप्त राशि और निर्देश गुजरात सरकार को दिये है । इस वींग द्वारा अत्यंत महत्त्वपूर्ण निष्पादन दरियाई ईलाकों में हो रही शंकास्पद प्रवृत्तियाँ, दरियाई तट पर व्यक्तियों का आवागमन, दरियाई इलाकों में आवागमन करते लोग कौन है और किस कारण मिल रहे है, उसकी जानकारी इकठ्ठा करने की थी, परंतु गुजरात सरकारने मरीन ऐक्स्लुझीव ईन्टेलिजन्स एण्ड ईन्वेस्टीगेशन वींग की स्थापना ही नहीं की है ।

भारत सरकारने ३० अत्याधुनिक इन्टरसेप्टर बोट्स गुजरात को दी है, जिसमें एक अत्याधुनिक २ टन की और एक ५ टन की शक्तिशाली बोट है । सितम्बर २००९ और अक्तुबर २०१० में गुजरात सरकार को यह बोट्स देकर भारत सरकारने निर्देश दिये थे कि, इन बोट्स द्वारा गुजरात के दरियाई तट की सुरक्षा हेतु हर बोट को मासिक १५० घंटे और वार्षिक १८०० घंटे दरियाई पेट्रोलिंग करना होगा । भारत सरकार के यह निर्देश के बावजूद गुजरात सरकारने दरियाई तट की सुरक्षा के प्रति लापरवाही दिखाकर पेट्रोलिंग ७८% से लेकर ९१% तक कम किया है । राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिलने गुजरात में जिन बोट्स का पेट्रोलिंग कम हुआ है, उसका पूरा विवरण प्रेस और मीडीया को दिया है । श्री गोहिलने कई बोट्स जिनको पानी से निकालकर बाहर जमीन रख दिया गया है, उनके फोटोग्राफ्स भी दिये है ।

२००९ में केग के रिपोर्ट में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि, पेट्रोलिंग करते वाहनों में ग्लोबल पोझीशनींग सिस्टम और ओटोमेटीक व्हीकल लोकेटर सिस्टम प्रस्थापित होनी चाहिए । उसके लिए पर्याप्त राशि भी उपलब्ध होने के बावजूद गुजरात सरकारने उसको कार्यान्वित नहीं किया है और इस तरह गुजरात में सुरक्षा को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है । गुजरात में बंदूके है परंतु उसके कार्ट्रेज नहीं है, और कुछ मामलों में तो यह १००% दोषयुक्त होने के आंकडे केग द्वारा दिये जा चूके है । गुजरात सरकारने इसको खरीद करने के समय पर ऑर्डर नहीं दिये जाने की भी आलोचना केग के रिपोर्ट में की गई है ।

प्रधानमंत्री देश की जनता को बतायें कि केग की टिप्पणी होने के बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर अनियमितता दूर क्यों नहीं की गई ? आतंकवाद के खिलाफ कडी सुरक्षा व्यवस्था रखने के बजाय गुजरात की सरहद आतंकवादीओं के लिए खुली क्यों छोड दी गई है ? अपनी चारों ओर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था रखना और घर के सामने अक्षरधाम मंदिर को आतंकवादीओं के हवाले करने का इतिहास भी

गुजरात के उस वक्त के मुख्यमंत्री मोदी का रहा हैं । इस संदर्भ में राष्ट्रीय हित में देश में राष्ट्रीय सुरक्षा की जो गंभीर और चिंताजनक स्थिति है उसको देश समक्ष रखने को मजबूर हुआ हूँ ऐसा श्री शक्तिसिंह गोहिलने बताया है ।

Vadinar CPS – boat lying idle for nine months	**Somnath CPS – boat lying idle for 10 months**

सूचना :- इस प्रेसनोट से संबंधित की कॉपी पढने और पाने के लिए http://www.shaktisinhgohil.com पर क्लिक करें ।

प्रति,
संपादक,

आपसे इस प्रेसनोट को आपके प्रतिष्ठित अखबार में जगह देने विनम्र गुजारिश हैं।

Sunil Rami

(सुनिल रामी)
निजी सहायक